हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

सिर्फ
₹3.00 में
सोमवार से शुक्रवार *

सोमवार, 05 मार्च 2018, लखनऊ, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 23, अंक 52, 22 पेज, मूल्य ₹ 3.00, चैत्र, कृष्ण पक्ष,चतुर्थी विक्रम सम्वत् 2074

अक्षय ऊर्जा से ही कम होगी ग्लोबल वार्मिंग

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

पर्यावरण पर चिंता

- अमेरिका में आए बर्फीले तूफान पर पर्यावरण वैज्ञानिक डा. भरतराज सिंह ने दी चेतावनी
- अक्ष्य ऊर्जा पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव में अब कोई वापसी नहीं है। इसे कम किया जा सकता है जो सिर्फ अक्षय ऊर्जा के प्रयोग में बढ़ोतरी से ही संभव है। अमेरिका में एक दिन पहले आया बर्फीला तूफान इसका संकेत है। आने वाले समय में इससे बड़ी त्रासदी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

यह बात वरिष्ठ वैज्ञानिक व स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक (तकनीकी) डा. भरतराज सिंह ने कही। उन्होंने आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च द्वारा अक्षय ऊर्जा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि तीन मार्च को 150 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से अमेरिका के बोस्टन व कैलिफोर्निया में आए बर्फीले तूफान ने मानव जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया है। यूनाइटेड किंगडोम में ब्रिटेन आदि क्षेत्रो में तापमान माइनस 23 डिग्री सेंटीग्रेड तक पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को सिर्फ ग्रीन एनर्जी विशेष रूप से 'सौर और पवन' जैसी अक्षय-ऊर्जा का अत्यधिक उपयोग से ही कम किया जा सकता है। फिलहाल पश्चिमी देशों व समुद्र के किनारे बसे राज्यों में इस तरह की घटनाओं लगातार होती रहेंगी। इसका जिक्र वह वर्ष 2015 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'ग्लोबल वार्मिंग-कॉजेस, इम्प्लिकेशंस एंड रेमेडीज' पहले ही कर चुके हैं।